

2020

Prof. Khushbu Kumari,
Guest Teacher,
Dept. of Political Science, V.S.S. College,
Rajnagar, Lnuu.

class - B.A. 3C
May

MON 25
146-220

लोक का

Date - 7th April, 2021

Topic - आदर्श राज्य संबंधी विचार

रिपब्लिक में दार्शनिक लोकों के समन्वयिक रूप
 में लोकतांत्रिक विचार 'आदर्श राज्य' को अपना
 आदर्श राज्य के मूल्य मूल्यों के निर्माण
 कि उसने न्याय सिद्धान्त का आधारिका
 लक्ष्य सिद्धान्त का आधार लक्ष्य का
 लक्ष्य में प्रयोग किया है। आदर्श राज्य
 में वास्तविक वह लोक दार्शनिक शासकी
 का ही है। जिनमें लुद्ध आत्मा
 लक्ष्य रूप में है। आधार TUE 26
 लक्ष्य विवरण शासक को है।
 लक्ष्य लक्ष्य शासक को लक्ष्य
 करना चाहिए था जो 'जलपन' आदर्श भाषण,
 ही अधिन उसकी रचना उसकी दुर्गता,
 उसके लक्ष्य लक्ष्य उसकी आदर्श वांछना
 में करी लक्ष्य लक्ष्य मा लक्ष्य का
 वह लक्ष्य लक्ष्य रचना चाहिए था।

लोक के आदर्श राज्य की उत्पत्ति -

लोक ने अपने आदर्श राज्य
 का निर्माण लक्ष्य चरणों में
 लक्ष्य लक्ष्य माना है। लक्ष्य
 की लक्ष्य आवश्यकताओं को ही

June	2020						
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa	
1	2	3	4	5	6		
7	8	9	10	11	12	13	
14	15	16	17	18	19	20	
21	22	23	24	25	26	27	
28	29	30					

27 WED

148-218 राज्य की उत्पत्ति का प्रमुख प्रश्न
 इतना माना है क्योंकि इनका प्रति
 के लिए ही लक्ष्य किन्हीं न किन्हीं
 प्रकार का लक्ष्य करने के लिए
 वाद्य होता है इन्हीं के लक्ष्य में कार्य
 में लक्ष्य अपने अधिक जीवन की
 लक्ष्य आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर
 लक्ष्य जबकि पारंपरिक लक्ष्य एवं
 विनियमन से लक्ष्य अपने अधिक
 आवश्यकताओं को अधिक से अधिक
 मांग में पूरा करने में लक्ष्य ही
 लक्ष्य है। अधिक जीवन की वस्तुओं
 का अधिक प्रदान शुभ समाजक तथा
 कार्य विशिष्टिकरण का शुभ देना
 है। राज्य की उत्पत्ति के इस

28 THU

149-217

यहण में राज्य के उत्पत्ति
 वगैरे का विकास होता है
 जिन लक्ष्य उत्पादक वगैरे करके
 प्रकार है एक जिनका प्रमुख
 गुण लक्ष्य शुभ तथा लक्ष्य ही
 लक्ष्य ही लक्ष्य के लक्ष्य लक्ष्य
 के लक्ष्य लक्ष्य के लक्ष्य लक्ष्य
 शुभ समाज का लक्ष्य लक्ष्य -
 कार्य विशिष्टिकरण का लक्ष्य लक्ष्य
 में लक्ष्य लक्ष्य लक्ष्य लक्ष्य
 य 201 में लक्ष्य लक्ष्य

May							2020
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa	
31					1	2	
3	4	5	6	7	8	9	
10	11	12	13	14	15	16	
17	18	19	20	21	22	23	